MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
September 2024

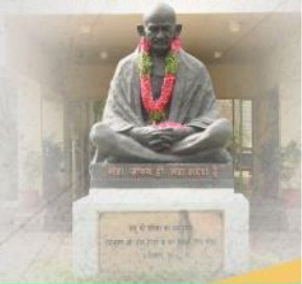

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जी द्वारा मैनेज के नए प्रशिक्षण और छात्रावास भवनों का शिलान्यास किया गया

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, ने दिनांक 28 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद में प्रशिक्षण और एक्जीक्यूटिव छात्रावास भवनों की आधारशिला रखने के लिए वर्चुअल माध्यम से पट्टिका का अनावरण किया।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण), भारत सरकार, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नए निर्माण स्थल पर भूमि पूजन में शामिल हुए। डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज एवं संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ

इस अवसर पर, श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उन्होंने किसानों के लिए खाद्य सुरक्षा और आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर कृषि मिशन पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान, विस्तार और प्रशिक्षण को कृषि के सभी पहलुओं को व्यापक रूप से संबोधित करना चाहिए, साथ ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्नत योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कृषि पेशेवरों और किसानों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक दृष्टिकोणों के मिश्रण के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस अंक में .....

- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मैनेज में नए प्रशिक्षण एवं छात्रावास भवन का शिलान्यास किया 1,3 &4
- मैनेज दीक्षांत समारोह में 65 कृषि-व्यवसाय छात्रों को डिग्री प्राप्त हुई 5
- 'जय जवान किसान' के चौथे बैच का उद्घाटन: कृषि के लिए सैनिक 6
- आईटीईसी कार्यक्रम: कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना 7
- स्वास्थ्य लाभ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: जैव-फोर्टिफाइड समाधानों के साथ कृषि को सशक्त बनाना 7
- ओडिशा बागवानी अधिकारियों के लिए बागवानी मूल्य श्रृंखला पर प्रशिक्षण 8
- बागवानी परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 8
- मैनेज में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 9
- मैनेज में हिन्दी दिवस 2024 मनाया गया 10
- मैनेज में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत तीसरा वृक्षारोपण अभियान 11
- संयुक्त राष्ट्र एफएओ प्रतिनिधिमंडल ने कृषि-खाद्य प्रणालियों के विकास के लिए मैनेज के साथ सहयोग के अवसरों की खोज की 11
- निवारक सतर्कता अभियान: मैनेज ने सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि पर व्याख्यान आयोजित किया 12
- कृषि चाणक्य24: कृषि व्यवसाय में क्रांति लाने के लिए बी-फेस्ट 12
- डीजी-मैनेज ने 'जय जवान किसान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच के प्रतिभागियों से बातचीत की 13

मैनेज में नए प्रशिक्षण और छात्रावास भवनों के डिजाइन

एक्जीक्यूटिव हॉस्टल ब्लॉक

प्रशिक्षण ब्लॉक

माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मैनेज में नए प्रशिक्षण एवं छात्रावास भवनों का शिलान्यास किया

उन्होंने कहा कि हमें कृषि में विविधता और मूल्य जोड़ को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही रासायनिक खेती को कम करके प्राकृतिक खेती पर जोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए भवनों की आत्मा प्रशिक्षण और सीखना होनी चाहिए और यह किसानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, एफपीओ और अन्य हितधारकों का मार्गदर्शन करेगा।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार ने अतिथियों का स्वागत किया और मैनेज में नई प्रशिक्षण एवं छात्रावास सुविधाओं पर प्रकाश डाला तथा कहा कि नई अवसंरचना राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी हितधारकों को अधिक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं शिक्षा प्रदान करेगी।

अपने स्वागत भाषण में डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि मैनेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण की क्षमता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नया बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा और कार्यक्रमों और हितधारकों की बढ़ती संख्या का समर्थन किया जाएगा, जिससे अत्याधुनिक प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करना संभव होगा। उन्होंने इस विजन को वास्तविक बनाने के लिए सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन), मैनेज ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस समारोह में मैनेज के सभी संकाय सदस्य, कर्मचारी, पीजीडीएम-एबीएम के छात्र और सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद थे।

सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने मैनेज की गतिविधियों और पहलों की समीक्षा की

मैनेज में प्रशिक्षण और एक्जीक्यूटिव छात्रावास ब्लॉकों के शिलान्यास समारोह में भाग लेने के दौरान, डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार ने मैनेज की गतिविधियों और भारत सरकार की योजनाओं जैसे एसी एंड एबीसी, देसी, एसटीआरवाई और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम-एबीएम) की डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संकाय सदस्यों के साथ समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रभागों की आवश्यकता के आधार पर शोध अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करने, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षुओं को भारत सरकार की वर्तमान योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करने और कृषि-स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट संस्थानों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने मैनेज सुविधाओं का दौरा किया और प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की

मैनेज में प्रशिक्षण और कार्यकारी छात्रावास ब्लॉकों के शिलान्यास समारोह में भाग लेने के दौरान, डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार ने प्रशिक्षण हॉल, हाइब्रिड सौर संयंत्र, एमओओसी लैब, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं सहित विभिन्न मैनेज सुविधाओं का दौरा किया।

उन्होंने पीजीडीएम-एबीएम छात्रों, ओडिशा सरकार के बागवानी विभाग के प्रशिक्षुओं और कृषि में पीपीपी पर चल रहे भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विदेशी प्रतिभागियों के साथ भी बातचीत की।

सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने मैनेज में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में भाग लिया

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, और डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, ने मैनेज परिसर में प्रशिक्षण और एक्जीक्यूटिव छात्रावास ब्लॉकों के शिलान्यास समारोह के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे लगाए।

8वां मैनेज दीक्षांत समारोह-2024

मैनेज दीक्षांत समारोह में 65 कृषि-व्यवसाय छात्रों को डिग्री प्राप्त हुई

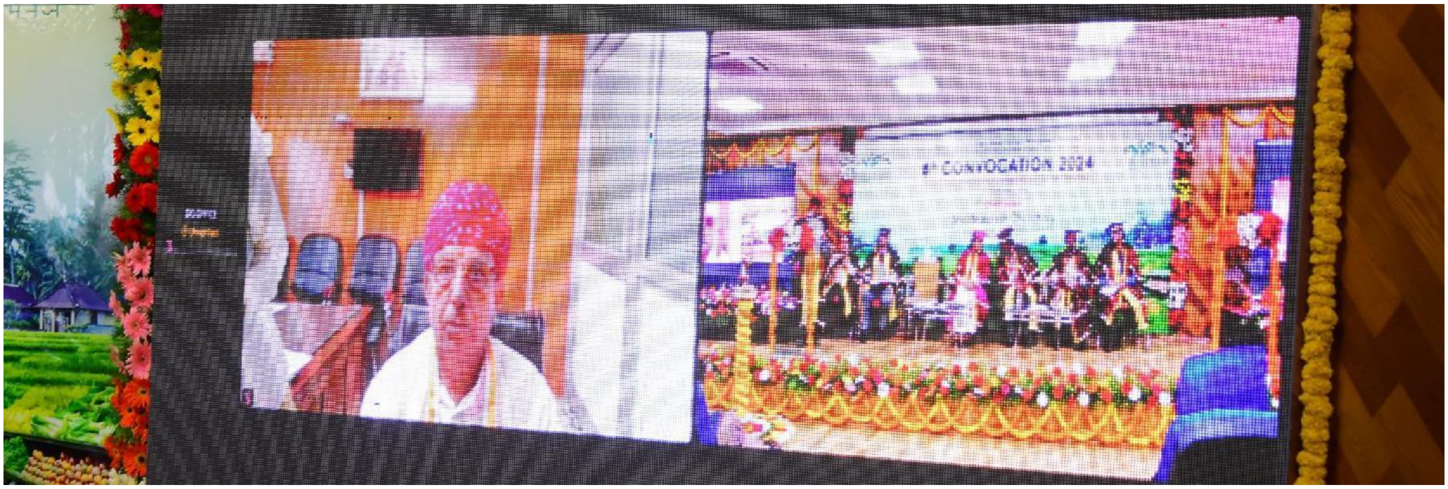

मैनेज ने दिनांक 17 सितंबर, 2024 को हैदराबाद के राजेंद्रनगर स्थित अपने परिसर में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एग्री-बिजिनेस मैनेजमेंट) - पीजीडीएम (एबीएम) के 65 सफल छात्रों को डिग्री प्रदान करने और मेधावी छात्रों को पदक प्रदान करने के लिए अपना 8वां दीक्षांत समारोह 2024 आयोजित किया।

श्री भागीरथ चौधरी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुए, उन्होंने छात्रों को संबोधित किया और अपनी नौकरियों और भविष्य के प्रयासों में किसानों के कल्याण को सबसे आगे रखने पर जोर दिया। उन्होंने पुरस्कार विजेता छात्रों को 2047 में माननीय प्रधानमंत्री के विकासशील भारत के सपने को साकार करने में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कृषि और किसानों के विकास के लिए कृषि व्यवसाय क्षेत्र में तकनीकी-प्रबंधकों को विकसित करने में मैनेज की भूमिका की सराहना की।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पीजीडीएम (एबीएम) के 2022-24 बैच के छात्रों को डिग्री वितरित की और मेधावी छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए।

उन्होंने कृषि विकास में योगदान के लिए पीजीडीएम (एबीएम) के उत्कृष्ट पूर्व छात्रों को पुरस्कृत और सम्मानित भी किया। उन्होंने मैनेज द्वारा संचालित कृषि विस्तार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएईएम) के 12 छात्रों और कृषि-भंडारण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएडब्लूएम) कार्यक्रमों के 6 छात्रों को पदक भी वितरित किए।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि एबीएम कार्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य कृषि को आगे बढ़ाने और किसानों के कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित मानव संसाधन विकसित करना है। उन्होंने छात्रों को उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने, अपने काम से प्यार करने, उत्साह के साथ काम करने और अपने भविष्य के प्रयासों में उत्कृष्टता के लिए उत्सुकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. आनंद रेड्डी, प्रधान समन्वयक, पीजीडीएम (एबीएम) ने दीक्षांत समारोह का समन्वय किया। सभी छात्रों और उनके अभिभावकों, मैनेज संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित 250 से अधिक लोगों ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

'जय जवान किसान' कार्यक्रम के चौथे बैच का उद्घाटन

मैनेज ने दिनांक 23 सितंबर, 2024 से 1 जनवरी, 2025 तक चलने वाले 4 महीने के 'जय जवान किसान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले जल सेना, स्थल सेना और वायु सेना के 50 जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों का स्वागत किया गया, जिन्हें रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय का समर्थन प्राप्त था। "जय जवान किसान" पहल का उद्देश्य भूतपूर्व सैनिकों को कृषि उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना और कृषि क्षेत्र की उन्नति में योगदान देना है।

लेफ्टिनेंट कर्नल श्री संदीप कुमार भट्टाचार्य ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने प्रतिभागियों को सेवानिवृत्ति के बाद नए अवसरों की खोज खासकर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में करने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने शहरी बागवानी, बीज प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन और केसर की खेती जैसे संभावित उद्यमों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सभी से कृषि में, व्यवहारिक शिक्षा प्राप्त करने का आग्रह किया, ताकि नए आय स्रोत सृजित किए जा सकें और सफल कृषि उद्यम शुरू किया जा सके।

इससे पहले, मैनेज ने पूर्व सैनिकों के लिए "जय जवान किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीन बैच आयोजित किए थे, जिनमें से दो को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तथा एक को नाबार्ड, तेलंगाना द्वारा प्रायोजित किया गया था।

डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (एसए एंड सीसीए), मैनेज, ने श्रीमती बाम्मिडी उज्ज्वला, कंसल्टेंट, मैनेज के साथ मिलकर कार्यक्रम का निर्देशन किया।

आईटीईसी कार्यक्रम: कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना

मैनेज ने दिनांक 18 सितंबर से 01 अक्टूबर, 2024 तक कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के 2-सप्ताह के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में 13 देशों यानी जॉर्डन, सीरिया, कैमरून, केन्या, मेडागास्कर, घाना, इथियोपिया, मोरक्को, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, भूटान, मालदीव, इरिट्रिया से कुल 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर केंद्रित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। मुख्य फोकस क्षेत्रों में नेतृत्व की पहचान, कृषि में पीपीपी का उभरता महत्व और पीपीपी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मॉडल और रणनीतियां खासकर एफपीओ के माध्यम शामिल हैं, प्रतिभागी मार्केटिंग तकनीकों, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, आईसीटी भूमिकाओं और ई-एनएएम और डिजिटल ग्रीन जैसे पीपीपी सफलताओं पर केस स्टडी का पता लगाएंगे।

कार्यक्रम में आईआईएमआर, आईसीआरआईएसएटी और टी-हब जैसे संगठनों का क्षेत्रीय दौरा और वापस कार्यस्थल पर जाने की योजना तैयार करना भी शामिल है।

डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) मैनेज, मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने भारतीय कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला, तथा ई-नाम और डिजिटल ग्रीन जैसे सफल पीपीपी मॉडल के विशिष्ट उदाहरण दिए। डॉ. एम. श्रीकांत, निदेशक (एबीएम) ने कार्यक्रम का निर्देशन किया तथा डॉ. जी. नवीन कुमार, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज सुश्री कंचन भागवत और डॉ. शिल्पा बी., कंसल्टेंट, मैनेज के साथ इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

स्वास्थ्य लाभ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: जैव-फोर्टिफाइड समाधानों के साथ कृषि को सशक्त बनाना

मैनेज ने दिनांक 23-25 सितंबर, 2024 तक "स्वास्थ्य की कटाई: जैव-फोर्टिफाइड समाधानों के साथ कृषि को सशक्त बनाना" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें छह राज्यों - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तमिलनाडु से कुल 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें कृषि, पशु चिकित्सा और कृषि-संबद्ध क्षेत्रों के वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य विषय बायोफोर्टिफिकेशन और कुपोषण से लड़ने में इसकी भूमिका है। मुख्य विषयों में कार्यान्वयन रणनीतियाँ, पोषण अवधारणाएँ, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता, संतुलित आहार, बायोफोर्टिफाइड फसलों के लिए नीति वकालत और मूल्य श्रृंखला विकास के साथ बाजार संबंध शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में विभिन्न जैव-सशक्त फसलें, उनके पोषण संबंधी लाभ और पोषण संबंधी खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में भारत की प्रगति को शामिल किया गया है। प्रतिभागियों ने हैदराबाद में आईसीआरआईएसएटी और हार्वेस्टप्लस का दौरा किया। डॉ. विनीता कुमारी, उप निदेशक (लिंग अध्ययन), मैनेज इस कार्यक्रम का निर्देशन किया।

ओडिशा अधिकारियों को सशक्त बनाना

ओडिशा के बागवानी अधिकारियों के लिए बागवानी मूल्य श्रृंखला पर प्रशिक्षण

मैनेज ने ओडिशा राज्य के बागवानी अधिकारियों के लिए दिनांक 03 से 10 सितंबर, 2024 को बागवानी मूल्य श्रृंखला पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में ओडिशा के बागवानी निदेशालय के कुल 26 अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में बागवानी मूल्य श्रृंखला चुनौतियों, कृषि विपणन सुधार और खाद्य सुरक्षा मानकों जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है, जिसमें हाइड्रोपोनिक्स, वर्टिकल फार्मिंग और रिमोट सेंसिंग जैसी तकनीकी प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रतिभागियों ने अपने अनुभव को समृद्ध करने के लिए सफल एफपीओ, औषधीय सुगंधित क्षेत्रों, उत्कृष्टता केंद्र और एक हाइड्रोपोनिक पॉली-हाउस का दौरा किया।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज मौजूद थे। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने किसानों के साथ माध्यमों को जोड़ने, कृषि जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाने, डिजिटल हस्तक्षेपों को लागू करने, विपणन चुनौतियों पर काबू पाने और सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

बागवानी परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 21 से 28 सितंबर, 2024 के दौरान ओडिशा सरकार के अधिकारियों के लिए बागवानी परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में ओडिशा सरकार के बागवानी निदेशालय के कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में भारत भर में बागवानी उत्पादन और परियोजना मानचित्रण के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है। इसमें आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, योजना और संचालन, बाजार अनुसंधान, मांग विश्लेषण, उत्पादन और एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण शामिल हैं। प्रमुख गतिविधियों में कॉफी, नारियल, सब्जी संग्रह केंद्र और एकीकृत पैक हाउस जैसी वाणिज्यिक फसलों के लिए डीपीआर की समीक्षा करना, साथ ही डीपीआर तैयार करने का व्यावहारिक अभ्यास शामिल है।

प्रतिभागियों ने वीएचजे एग्रोफूड्स (फ्रोजन फल और सब्जियां), एसएएम एग्रीटेक लिमिटेड और वेंटिमामिडी सब्जी क्लस्टरों का दौरा किया।

डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) और डॉ. बी. वेंकट राव, सहायक निदेशक, मैनेज ने कार्यक्रम का निर्देशन किया।

मैनेज में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व में, मैनेज ने दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक मनाए जाने वाले "स्वच्छता ही सेवा 2024" इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के शुभारंभ को चिह्नित करने के लिए, मैनेज कर्मचारियों ने दिनांक 18 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन का समर्थन करने की शपथ ली।

अभियान के एक हिस्से के रूप में, मैनेज ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को हैदराबाद के गुडीमलकापुर फ्लावर मार्केट में एक विशाल सफाई अभियान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य जन भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देना था। मैनेज के कर्मचारियों और पीजीडीएम (एबीएम) के छात्रों ने "स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता" थीम को अपनाते हुए पूरे परिसर में सफाई अभियान चलाया।

मैनेज में हिन्दी दिवस मनाया गया

मैनेज में दिनांक 26 सितंबर, 2024 को हिंदी दिवस मनाया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. सरवणन राज, निदेशक (प्रशासन) ने की। संस्थान में दिनांक 14 से 28 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाडा मनाया गया।

इस अवसर पर मैनेज के राजभाषा यूनिट ने मैनेज के कर्मचारियों और पीजीडीएम (एबीएम) के छात्रों के के लिए हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, विशेष हिंदी कार्यशाला, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी वर्तनी तथा व्याकरण ज्ञान प्रतियोगिता जैसे कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इसके साथ ही राजभाषा नीति, नियम एवं अधिनियम पर एक विशेष हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य कर्मचारियों और छात्रों के बीच हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढाना और इसके उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

डॉ. के .सी. गुम्मागोलमठ, राजभाषा अधिकारी, मैनेज और डॉ. सरवणन राज, निदेशक (प्रशासन), मैनेज, ने हिंदी दिवस के अवसर पर प्रतियोगिता विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

मैनेज के स्टाफ और संकाय सदस्य इस विशेष हिंदी दिवस समारोह में उपस्थित थे। डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), मैनेज, ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

मैनेज में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत तीसरा वृक्षारोपण अभियान

मैनेज ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और मातृत्व को सम्मान देने के राष्ट्रीय प्रयास के तहत दिनांक 17 सितंबर, 2024 को 'एक_पेड़_माँ_के_नाम' (प्लांट फॉर मदर) अभियान के तहत अपना तीसरा पौधारोपण अभियान चलाया। यह महत्वपूर्ण अभियान मूल रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर शुरू किया गया था।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और महानिदेशक, मैनेज ने अभियान का नेतृत्व किया तथा पौधे रोपे। इस अभियान के तहत संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा पीजीडीएम-एबीएम के छात्रों ने पूरे परिसर में आम तथा डेलोनिक्स रेजिया के 106 पौधे रोपे।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन), मैनेज के साथ-साथ अन्य संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

संयुक्त राष्ट्र एफएओ प्रतिनिधिमंडल ने कृषि-खाद्य प्रणालियों के विकास के लिए मैनेज के साथ सहयोग के अवसरों की खोज की

संयुक्त राष्ट्र एफएओ के देश प्रतिनिधि श्री ताकायुकी हागिवारा और एफएओ के सहायक प्रतिनिधि (कार्यक्रम) श्री कोंडा रेड्डी चाव्वा ने दिनांक 03 सितंबर, 2024 को मैनेज का दौरा किया। डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार और प्रशासन), मैनेज और संकाय सदस्यों ने संभावित सहयोग की संभावना तलाशने के लिए उनसे बातचीत की।

इस यात्रा के दौरान, उन्होंने मैनेज संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाया, जिसमें दक्षिण-दक्षिण भागीदारी, बाजार संबंध और कृषि-खाद्य प्रणालियों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए वन हेल्थ पहल को बढ़ाना शामिल है। इस बैठक के लिए मैनेज संकाय सदस्य और अकादमिक एसोसिएट मौजूद थे।

निवारक सतर्कता अभियान:

डॉ. योगिता राणा, महानिदेशक-मैनेज द्वारा “सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि” पर भाषण

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत सरकार के तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान के हिस्से के रूप में दिनांक 30 सितंबर, 2024 को "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" पर एक व्याख्यान दिया, जो वर्तमान में दिनांक 16 अगस्त से 15 नवंबर, 2024 तक मनाया जा रहा है।

अपने व्याख्यान में, डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने इस बात पर जोर दिया कि सतर्कता हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के लिए आवश्यक। उन्होंने व्यक्तिगत मूल्यों और लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यों, विचारों और व्यवहार के प्रति सचेत रहने के लिए सभी को आत्म-सतर्कता का अभ्यास करने की सर्मथन किया।

उन्होंने अपने व्यापक सेवाकाल के व्यावहारिक अनुभवों को साझा करते हुए संगठनों के भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और जिम्मेदारी की आवश्यकता को समझाया। उन्होंने कहा कि अपने जीवन को बेहतर बनाते समय हमें अपनी नैतिकता, नैतिकता या आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। व्याख्यान के लिए सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारी सदस्य, कंसल्टेंट और मैनेज फेलो मौजूद थे।

मैनेज में कृषि चाणक्य “बी-फेस्ट” मनाया गया

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, और महानिदेशक, मैनेज ने दिनांक 15 सितंबर, 2024 को कृषि व्यवसाय क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के बी-फेस्ट कृषि चाणक्य का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में आईआईएम, एसआईआईबी, एक्सआईएमबी, एनआईएएम, आईआईपीएम, एफएसएम दिल्ली और एबीएम-मैनेज के छात्रों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह उत्सव वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि व्यवसाय के सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को एक साथ लाता है। केस स्टडी, वित्तीय मॉडलिंग, डेटा एनालिटिक्स और बिजनेस प्लान प्रतियोगिताओं सहित नौ रोमांचक कार्यक्रमों के साथ, प्रतिभागी अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और अपने नवीन समाधानों का प्रदर्शन करने के लिए तैयार होता हैं।

इस कार्यक्रम में डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन), मैनेज, डॉ. आनंद रेड्डी, प्रधान समन्वयक, पीजीडीएम (एबीएम), डॉ. शैलेन्द्र निदेशक (कृषि विपणन) मैनेज उपस्थित थे।

महानिदेशक, मैनेज ने 'जय जवान किसान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के सैनिकों के साथ बातचीत की

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 23 सितंबर, 2024 से 1 जनवरी, 2025 तक निर्धारित 'जय जवान किसान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय द्वारा समर्थित जय जवान किसान कार्यक्रम का उद्देश्य भूतपूर्व सैनिकों को कृषि उद्यमी बनाना है। इस बैच में सेना, नौसेना और वायु सेना सेवाओं के जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले 50 अधिकारी शामिल हैं।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने जवानों की समय की पाबंदी, ईमानदारी, निष्ठा, कड़ी मेहनत और देश के लिए बलिदान की प्रशंसा की और उन्हें कृषि में भी उसी समर्पण और अनुशासन को लाने और सेवानिवृत्ति के बाद अपने जीवन में एक नई पारी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कृषि क्षेत्र में वर्तमान रुझानों पर प्रकाश डाला और कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के लाभों पर जोर दिया और जवानों से इसका लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने विभिन्न कृषि व्यवसाय के अवसरों का भी सुझाव दिया, जैसे डीलरशिप, कृषि-विपणन, जैविक खेती, मृदा परीक्षण, मछली पालन, ग्रीनहाउस, नर्सरी सेटअप और मशरूम की खेती आदि, और उन्हें समूहों में उद्यम शुरू करने और बाजार में उच्च मांग वाले उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (एसएएंडसीसीए), मैनेज, ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. योगिता राणा, आईएएस

महानिदेशक, मैनेज एवं संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक

डॉ. सरवणन राज

निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज

संपादक

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी

उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद

सुश्री पुजा दास,

वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स

श्री कृष्णा दाभोलकर,

आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

श्री नितेश कुमार,

अकादमिक एसोसिएट, मैनेज